युवक कांग्रेस का निगम कार्यालय पर जंगी प्रदर्शन

इंदौर. भागीरथपुरा में जहरीले पानी से मौत और सैंकड़ों लोगों के बीमार होने पर आज युवक कांग्रेस ने जंगी प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला भी जला दिया. इसके बाद कांग्रेस के 18 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. भागीरथपुरा में जहरीले पानी से 15 लोगो की मौत और 350 सौ से ज्यादा लोगों के बीमार होने पर युवक कांग्रेस ने नगर निगम पर जंगी प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के खिलाफ जमकर

नारेबाजी की. युवा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान सरकार, मंत्री, महापौर और नगर निगम के अधिकारी को नींद से जगाने के लिए घंटी बजाकर विरोध प्रदर्शन किया. नगर निगम के भ्रष्ट अधिकारियों को निलंबित करने और महापौर, मंत्री से इस्तीफा देने की मांग की. इस दौरान युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस की झड़प भी हुई. इसके बाद पुलिस ने जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पटेल, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह, मध्यप्रदेश संगठन प्रभारी चेतन चौधरी, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव और मध्यप्रदेश प्रभारी शिवि सिंह सहित 18 लोगों को गिरफ्तार कर जेल दिया.

महापौर के पुराने वार्ड में भी 'भागीरथपुरा' की दहशत

नवभारत न्यूज

इंदौर. महापौर पुष्यमित्र भार्गव के पुराने वार्ड क्रमांक 70 की बस्तियों में भागीरथपुरा की दहशत बनी हुई है. इस वार्ड की बस्तियों में लम्बे समय से नलों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है. इन बस्तियों में यद्यपि एक दिन छोड़कर जलप्रदाय होता है और वो भी दूषित पेयजल के साथ. यहां के नागरिक नगर निगम में कई बार शिकायत कर चुके हैं, मगर उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है. बार-बार शिकायत के बाद सिर्फ आश्वासन

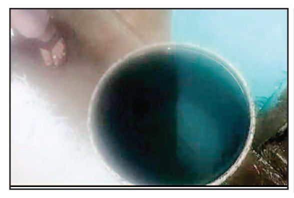

मिलता है, लीकेज और ड्रेनेज लाइनों को सुधारने कोई नहीं आ रहा है.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव का पैदाइशी इलाका इन दिनों दूषित पेयजल और जलसंकट से जूझ रहा है. विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 4 का वार्ड क्रमांक 70, जो कि महापौर का पूर्व में निवास क्षेत्र रहा है. उनके वार्ड में राज मोहल्ला और चंदन नगर स्थित पानी की टंकी से जल प्रदाय होता है. इस क्षेत्र की पेयजल पाइप लाइन कई जगह से लीकेज होने के कारण इसमें ड्रेनेज का दूषित एवं बदबूदार पानी मिल रहा है. यहां के नागरिक लम्बे अरसे से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं. गौरतलब है कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव पूर्व में धार रोड के गडरिया मोहल्ले में निवास करते थे. धार रोड पर जिला अस्पताल के पास ही इनके पिताजी का क्लीनिक भी मौजूद है.

10-15 मिनट ही साफ पानी

पश्चिम क्षेत्र में पेयजल वितरण राजमोहल्ला और चंदन नगर की टंकी से होता है. इनमें सबसे ज्यादा दूषित पानी राजमोहल्ला की टंकी से प्रदाय हो रहा है. इस टंकी से आदर्श इंदिरा नगर, हरिजन कालोनी, चांदमारी ईंट भट्टा, लोक नायक नगर, गडरिया मोहल्ला, लाबरिया भेरू में जल वितरण किया जाता है. प्रात: साढ़े छह बजे से होने वाला जल प्रदाय में अधिकांश समय गंदा एवं बदबूदार पानी ही आता है. नल बंद होने के समय दस से पंद्रह मिनट ही साफ पानी आता है. अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी भी दिन यहां भागीरथपुरा की पुनरावृत्ति हो सकती है.

यहां के नलों में आ रहा गंदा और बदबूदार पानी

एक दिन छोड़कर मिलता है पेयजल, वह भी दूषित

नगर निगम में शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं

क्या कहते हैं वार्ड 70 के बाशिंदे...

वार्ड 70 की बस्ती चांदमारी ईंट भट्टा की रहवासी **श्रीमती लक्ष्मी यादव** का कहना है कि उनके यहां के नल में पिछले दो साल से गंदा और काला पानी आ रहा है, इसलिए वे तो ये यहां का पानी पीते ही नहीं है. पीने के पानी का इंतजाम वे दूसरी जगह से करते हैं. नियमित जलकर और संपत्तिकर भरने के बाद दो साल से बाहर से लाकर पेयजल की व्यवस्था कर रहे हैं. उनका कहना है कि नगर निगम के अधिकारी इधर आते ही नहीं और अगर आए जाए तो भी उनकी कोई सुनता नहीं.

चांदमारी ईंट भट्टा की एक अन्य रहवासी **श्रीमती हेमलता कैथवास** का कहना है कि नलों में गटर का पानी आता है, जो कि नल खोलने पर बासता है. एकाध घंटे जलप्रदाय के दौरान प्रारंभ में आधा घंटा तक को बदबूदार पानी ही आता है. इसलिए इस पानी को भरकर उलीचना पड़ता है, ताकि पांच दिस मिनट में साफ पानी के दर्शन हो सके. इससे दिनभर के लिए पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पाती है. पीने के पानी का इंतजाम इधर-उधर से करना पड़ता है. ये ऐसा पानी है, जिसे जानवर भी नहीं पीए. इस गंदे पानी के कारण यहां जलसंकट बना हुआ है.

धार रोड की अन्य बस्ती गडरिया मोहल्ले में काका की गली में रहने वाली **अजीत कौर** अपने घर के बाहर पानी फेंकते हुए दिखाई दी. जब उनसे पूछा गया कि आप पानी व्यर्थ में क्यों बहा रही हो तो उनका जवाब था- भइया ये तो जहर है. पूरी तरह काला है, आप भी देख लो. शुद्ध पानी के इंतजार में नल से प्रदाय पानी को तब तक बाहर फेंकना पड़ता है, जब तक कि नल से साफ पानी न आ जाए. यह साफ पानी पांच दस मिनट बमुश्किल आता है और नल बंद हो जाता है. यह पानी इतना गंदा है कि कोई इसके पास खड़ा रहने पसंद नहीं करें, मगर पेयजल के लिए इसे उलीचना पड़ता है.

गडरिया मोहल्ले के **अशोक परमार** ने भी अपने यहां बाल्टी में भरा गंदा पानी दिखाया. उन्होने कहा कि चंदन नगर पानी की टंकी पर जाकर कई दफा शिकायत कर चुका हू, कोई सुनता ही नहीं. नगर निगम के अधिकारी भी इधर ध्यान नहीं दे रहे हैं. पेयजल की पाइप लाइन कहीं से लीकेज होने के कारण इसमें गटर का पानी मिल रहा है. एक घंटे तक गंदा पानी उलीचने के बाद थोड़ी देर साफ पानी आता है और नल बंद हो जाता है. लम्बे समय से यहां इस तरह का जलसंकट बना हुआ है.

- गडरिया मोहल्ले के एक अन्य रहवासी **कमल चौहान** ने कहा कि उनके यहां के नल में लगभग दो साल से गंदा पानी आ रहा है. निगम के अधिकारियों से शिकायत की थी, तब उन्होंने कहा था कि कहीं से लाइन लीकेज हो रही है. लाइन को जल्द ही सुधार दिया जाएगा, मगर अभी तक तो लाइन नहीं सुधारी गई है. ड्रेनेज लाइन का पानी पेयजल की पाइप लाइन में मिलने के कारण दूषित पेयजल से जूझना पड़ रहा है.

छह दिन बीत गए, लेकिन पानी दूषित मिलने का पता नहीं लगा सके

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा की घटना को छह दिन बीत चुके हैं, लेकिन नगर निगम के अधिकारी पानी दूषित होने का स्थान और प्वाइंट का पता नहीं लगा पाए है. इससे समझा जा सकता है कि नगर निगम के अधिकारियों को नर्मदा लाइन की पूरी जानकारी ही नहीं है. निगम में सिर्फ लाइन बिछाने का काम किया जाता है, लेकिन लाइन के पास कहां से ड्रेनेज लाइन क्रॉस हो रही है, कहां से ड्रेनेज चेंबर और गंदा पानी मिक्स हो सकता है? इसका ध्यान नहीं रखा जाता है.

28 दिसंबर से भागीरथपुरा में जहरीले पानी से लोगों की मौत का सिलसिला शुरू हुआ है. हजारों लोगों के बीमार पड़ने की जानकारी रोज आ रही है. बताया जा रहा है कि गंदा पानी आने की शिकायत क्षेत्र के रहवासी पिछले दो सालों से कर रहे थे. इतना ही नहीं पिछले दो महीनों से लगातार पार्षद से लेकर निगम 311 एप पर शिकायत की जा रही थी. इसे यूं समझा जा सकता है कि शिकायत पर संज्ञान लेना अधिकारी और नेताओं को जरूरी नहीं लगता है. यही कारण है कि क्षेत्र में लगातार दूषित पानी सप्लाय जारी रहा और निगम अधिकारियों से लेकर पार्षद, जनप्रतिनिधियों के कान में जूं तक नहीं रेंगी. अब जब मौत और बीमार होने का भयावह आंकड़ा पार हो गया है. पूरे देश और प्रदेश में किरकिरी हुई, तो सबकी नींद खुली, मगर तब तक देर हो गई.

उमा भारती का स्थानीय भाजपा नेताओं पर तंज

इंदौर. प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती ने इंदौर के भागीरथपुरा कांड को लेकर ट्विटर पर तंज कसा है. सुश्री भारती ने ट्विटर पर पोस्ट किया है कि कौन कह रहा है कि हमारी नहीं चली? यदि आपकी नहीं चली तो फिर पद पर बैठे हुए बिसलेरी का पानी क्यों पीते रहे? पद छोड़कर जनता के बीच क्यों नहीं पहुंचे? सुश्री भारती ने इंदौर के नेताओं पर सीधा कटाक्ष किया है कि ऐसे पापों का कोई स्पष्टीकरण नहीं होता है या तो प्रायश्चित या दंड.

भागीरथपुरा क्षेत्र में रिंग सर्वे शुरू, आज मिले 241 मरीज

11 पीड़ितों को भर्ती किया गया : कलेक्टर

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में आज से स्वास्थ्य विभाग ने रिंग सर्वे शुरू किया है. रिंग सर्वे के तहत भागीरथपुरा के हॉट स्पॉट मिले हैं, उनके आस-पास 50 घरों का सर्वे किया गया. रिंग सर्वे हेतु 20 टीमें क्षेत्र में कार्य कर रही हैं.

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर भागीरथपुरा क्षेत्र में 6 एम्बुलेंस लगाई गई हैं. साथ ही क्षेत्र में 24×7 चिकित्सकों को तैनात किया गया है. मरीजों को समस्या होने पर एमवाय, अरविंदों तथा बच्चो को चाचा नेहरु अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है, जो मरीज निजी हॉस्पिटलों में जा रहें हैं, वहॉ पर भी नि:शुल्क उपचार, जांच एवं दवाई की व्यवस्था की गई है. कलेक्टर वर्मा ने बताया कि आज 3 हजार 679 घरों का सर्वे किया गया है, जिसमें लगभग 241 मरीज मिले। 11 गंभीर मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. कल ओपीडी में हल्के लक्षण वाले मरीजों को आज फिर से जांचा गया. साथ ही जल स्त्रोतों की मैपिंग कर सीवरेज लाइन, ड्रेनेज लाइन और पेयजल पाइपलाइन के लिए नगर निगम और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय किया गया. उन्होंने बताया कि अभी तक विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या 310 है. साथ ही कुल 107 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है. इस तरह वर्तमान में कुल 214 मरीज अस्पताल में भर्ती है, जिनका उपचार किया जा रहा है. आईसीयू में 25 मरीज भर्ती है.

पेयजल स्त्रोतों के 100 मीटर दायरे में विशेष सफाई अभियान चलाएं

जल संसाधन मंत्री ने की ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल व्यवस्था की समीक्षा

इंदौर. जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल व्यवस्था को लेकर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में रेसीडेंसी कोठी में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई.

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उपस्थित रहे। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सार्वजनिक एवं निजी नल-जल योजनाओं, हैंडपंपों एवं अन्य पेयजल स्त्रोतों की साफ-सफाई और स्वच्छता की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई. मंत्री सिलावट ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सभी हैंडपंपों एवं पेयजल स्त्रोतों के 100 मीटर के दायरे में विशेष साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया जाए। उन्होंने इस कार्य को मिशन मोड में लेते हुए आगामी 7 दिवस के भीतर पूर्ण करने के निर्देश समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए.

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

मंत्री श्री सिलावट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी. उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्रामीण को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो. बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे तत्काल ग्रामों का भ्रमण कर ऐसे पेयजल स्त्रोतों को चिन्हित करें, जहां साफ-सफाई की आवश्यकता है और सफाई कार्य तुरंत प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें. ग्रामीण क्षेत्रों में जलजनित बीमारियों की रोकथाम एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.

दहशत — **भागीरथपुरा में भय का माहौल**

भयभीत इतने कि टैंकर का पानी पीने में भी डर रहे लोग

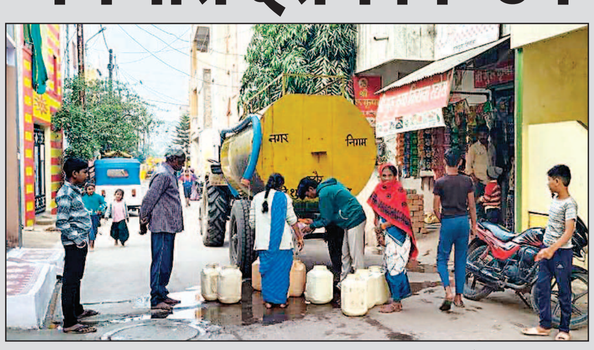

इंदौर. नगर निगम की अव्यवस्थाओं और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही की पोल खोलती भागीरथपुरा में दूषित पानी की घटना में मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है. इससे पूरे शहर में आक्रोश है. वहीं, प्रशासन और नगर निगम पाइप लाइन दुरुस्त करने में लगा है. हमेशा से होता भी यही आ रहा है कि जब तक कोई अप्रिय घटना नहीं घटती, तब तक शासन-प्रशासन जागता ही नहीं है.

वार्ड क्रमांक 11 में हुई इस दु:खद घटना के बाद मृत्यु का आंकड़ा बढ़ते ही जा रहा है, वहीं कई लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है. इसको लेकर जब नवभारत की टीम क्षेत्र में पहुंची तो कई हकीकतें सामने आई. प्रभावित क्षेत्र के लोगों में गंदे पानी का डर इतना बना हुआ है कि लोग निगम के टैंकर का पानी पीने में भी डर रहे हैं, फिर भी मजबूरन पानी लेना पड़ रहा है. कई तो मिनरल वॉटर के कंटेनर खरीदकर काम चला रहे हैं. इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद घरों में अब भी नलों से गंदा पानी पहुंच रहा है. बैक लाइनों में गंदगी पसरी दिखाई दे रही है. वहीं, क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से दूषित पानी की समस्या बनी हुई थी, जिसकी शिकायत भी की गई, लेकिन जिम्मेदारों के कानों पर जूं नहीं रेंगी. लापरवाही के चलते कई लोगों की जानें चली गई. घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश बना हुआ है, लेकिन शासन और पुलिस की कार्रवाई से लोगों में डर बना हुआ है.

यह बोले रहवासी...

पानी पीने के बाद यह घटना हुई है. यूं भी क्षेत्र में दूषित पानी तो सभी के घरों में पहुंच रहा है. पीछे की गंदगी तो कल साफ हुई है, वर्ना कोई सफाई कर्मी यहां झांकने नहीं आता था.

- गिरजा माली

बारिश के दिनों से भी ज्यादा गंदा पानी नलों से आ रहा था, जैसे ही नल खोलो गटर का गंदा और बदबूयुक्त पानी आने लगता है. नगर निगम ने सीवरेज की नई लाईन डाली, वह भी अभी तक चौक पड़ी है.

- नर्मदा यादव

ऐसे तो क्षेत्र में कोई भी झांकने तक नहीं आता, लेकिन जब कोई घटना होती है तो अधिकारी और नेता सभी डेरा डाल देते हैं. साफ-सफाई केवल मुख्य मार्ग पर होती है, अंदर के मोहल्लों और गलियों में तो सालों हो जाते हैं, कोई नहीं आता. क्षेत्र में चेंबर जगह-जगह चोक पड़े हैं.

- राहुल सिंह गौड़

पानी इतना दूषित आता है कि बर्तन में भरे पानी में दूसरे दिन कीड़े नजर आने लगते हैं. इसके लिए मैंने खुद दो वर्ष पहले 311 पर शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई.

- ईश्वरसिंह कुंभकार

गंदा पानी आते कई साल हो गए हैं, वही पानी पीने को मजबूर हैं. कई बार पार्षद को शिकायत की, लेकिन कोई नहीं सुनता. साफ पानी के लिए दूर जाना पड़ता है या पैसा देकर आरओ वॉटर लेना पड़ता है.

- सीमा महावर

नलों से शुरू में पांच मिनट साफ पानी आता है, बाद में पूरी तरह से गटर का पानी आने लगता है. क्षेत्र के बच्चे अक्सर बीमार रहते हैं. हमें सरकार से यही शिकायत है कि सफाई को लेकर हमारी सुनवाई नहीं होती.

- उषा माली

इस घटना के लिए क्षेत्रीय पार्षद दोषी है, क्योंकि वह समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं. वह और कर्मचारी यहां आकर देखते तक नहीं हैं. अगर पहले से ध्यान देते तो आज यह घटना नहीं होती. **- राजू देविकोलिया**

नल से पानी भरते सयम महिलाओं ने यह बाटल भरकर मुझे दी घटना से लोगों में इतना आक्रोश है, लेकिन किसको दिखाएं. अधिकारी को दिखाएं तो पुलिस आएगी, डंडे बरसाएगी, ऊपर से राजनीति दबाव, मजदूर वर्ग क्या करे.

- राजराम बोरासी, समाजसेवी

अधिकांश गलियों में हमेशा गंदगी पसरी रहती है, जब से घटना हुई है, तभी से सफाईकर्मी घूम रहे हैं. अगर मैंटेनेंस करते और इतनी सफाई रखते तो यह घटना होती नहीं, छोटे से बड़े अधिकारी सब की लापरवाही है.

- सत्यम नामदेव

पुराने सीवरेज हटाए बिना उसी पर नई लाइन डाली, जिससे लाईन चोक होने की समस्या बढ़ गई, लीकेज होने से पानी दूषित होता है. स्वच्छ जल मानव अधिकार के अंतर्गत आता है, भले बस्ती या कॉलोनी के इंसान हों पानी तो शुद्ध चाहिए.

- अर्चना यादव

कार्यालय वन मण्डल अधिकारी सामान्य वन मण्डल रायसेन (म.प्र.)

जिला एवं सत्र न्यायालय के सामने सांची रोड रायसेन (म.प्र.)

E-mail - dforsn@rediffmail.com (Phone & Fa& No. 07482-222027)

-: विज्ञाप्ति :-

एतद द्वारा सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि वन मण्डल सामान्य रायसेन के उप वन मण्डल रायसेन एवं उप वन मण्डल सिलवानी के अन्तर्गत परिक्षेत्रों में निम्नानुसार वर्णित वाहन / सम्पत्ति का उपयोग वन अपराध में किये जाने से जप्त किया गया है।

क.	वन अपराध प्रकरण कमांक / दिनांक	वन अपराध में प्रयुक्त वाहन का प्रकार	जप्तशुदा वाहन का विवरण	उपलब्ध जानकारी अनुसार प्रकरण में वाहन के हितबद्व ,व्यक्ति का नाम एवं पता
1	46327 / 06 दिनांक 29.08.2025	मोटर साईकिल टी.व्ही.एस.	पंजीयन कमांक – MP05ME4206 चैचिस कमांक – MD625NF18B3A61469	चंद्र कुमार चौहान आत्मज भगवानदास निवासी वार्ड नं. 25 रासुलिया
2	46327 / 08 दिनांक 13.09.2025	मोटर साईकिल (बजाज बॉक्सर पुरानी)	बिना नम्बर चैचिस कमांक – DFFBGA43482 इंजन कमांक – DFMBGA01823	अज्ञात
3	47376 / 22 दिनांक 02.09.2025	अल्टो कार	बिना नम्बर इंजन कमांक – F8DN4059375	अज्ञात
4	46304 / 24 दिनांक 04.08.2025	टाटा पिकअप	पंजीयन कमांक – MP04LD7541 चैचिस कमांक – MAT559023NVB06149 इंजन कमांक – 275MPFI02PYXSD2768	(अज्ञात) वाहन मालिक–श्री संजय कुमार खरे आत्मज नवल किशोर खरे निवासी 725–11 किरार मोहल्ला उदयपुरा जिला रायसेन
5	46326 / 01 दिनांक 25.10.2025	ट्रेक्टर जोनडियर 5050D V10 रंग–हरा कल्टीवेटर	पंजीयन कमांक – MP38ZB7729 चैचिस कमांक – 1VY5050DKPH064431 इंजन कमांक – PY3029D752099	श्रीमति सपना बाई पत्नि अक्षय कमार निवासी मनकबाड़ा
6	47368 / 25 दिनांक 18.08.2025	मोटर साईकिल बजाज प्लेटिना	पंजीयन कमांक – MP04MF 9547 चैचिस कमांक – MD2DDZZZNWE66835 इंजन कमांक – DUMBNE61384	सलमान कुरैशी आ. स्व. गुड्डे कुरैशी निवासी गढ़ी
7	47301 / 24 दिनांक 25.07.2025	महिन्द्रा बोलेरो पिकअप	पंजीयन कमांक – MP04GB2240 चैचिस कमांक – MA1ZP2TBKJ2A17522 इंजन कमांक – TBJ4A57249	मोनू कुशवाहा आ.हीरालाल कुशवाह निवासी ग्राम टेकापारखोड़ी तहसील गैरतगंज
8	47374 / 09 दिनांक 07.08.2025	मोटर साईकिल	बिना नम्बर चैचिस कमांक – MELHAW23XR4G07901	1. राहुल आ.हीरालाल 2. अनुराग आ.दयाली 3. शिवराज आ.मुन्नालाल निवासी सर्राखुर्द

उपरोक्त वाहनों के अधिहरण की कार्यवाही वन मण्डल कार्यालय में प्रचलित है। अतः वाहनों में हित रखने वाले सभी व्यक्ति / संस्था / निगम / फर्म आदि जिस किसी से संबंधित हो यदि अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहे तो वन मण्डल रायसेन कार्यालय में विज्ञाप्ति प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा प्रकरण में नियमानुसार एक तरफा कार्यवाही कर राजसात के आदेश पारित किये जायेगें । प्रकरणों की विस्तृत जानकारी वन मण्डल कार्यालय रायसेन से कार्यालयीन समय में नियमानुसार प्राप्त किये जा सकते है।

वन मण्डलाधिकारी
सामान्य वन मण्डल, रायसेन

G23730/25